

चालीसवें श्लोक का छिपा हुआ इतिहास - संख्या एक

मुहरबंद भविष्यवाणियों का खुलासा: अंत के दिन, यहूदा का सिंह, और प्रकाशितवाक्य की अंतिम घटनाएँ

Jeff Pippenger

2024-09-06

प्रकाशितवाक्य अध्याय पाँच में, यहूदा के गोत्र का सिंह मसीह के उस पद का प्रतिनिधित्व करता है कि वही वह है जो अपनी इच्छा के अनुसार परमेश्वर के वचन पर मुहर लगाने और उसकी मुहर खोलने में विजयी ठहरा। 1989 में, 1863 के विद्रोह के एक सौ छब्बीस वर्ष बाद, यहूदा के गोत्र के सिंह ने दानिय्येल अध्याय ग्यारह के अंतिम छह पदों की मुहर खोली। वे पद 1798 में पापाई सत्ता पर लगे घातक घाव से आरंभ होते हैं, और यह गवाही प्रस्तुत करते हैं कि वह पापाई घाव कैसे चंगा होने वाला है, और उससे आगे पापाई सत्ता के अंतिम घातक घाव तक ले जाते हैं। वे पद वहीं से आरंभ होते हैं जहाँ वे समाप्त होते हैं; पापाई रोम के न्याय से।

वे छह आयतें पोपसत्ता के मरणघातक घाव की चंगाई का वर्णन करती हैं, और यह भी कि अजगर, पशु और झूठे भविष्यद्वक्ता का त्रिविध संघ संसार को आर्मगेडन की ओर कैसे ले जाता है, जिसे पैतालीसवीं आयत में "समुद्रों के बीच और महिमामय पवित्र पर्वत" के रूप में पहचाना गया है।

अल्फा और ओमेगा मसीह के उस चरित्र का प्रतिनिधित्व करता है कि वह सदैव आरंभ से ही अंत को प्रदर्शित करता है। एक लाख चवालीस हजार का सुधार आंदोलन तीसरे स्वर्गदूत का आंदोलन है; यह वह अंतिम आंदोलन है जिसे उसके आरंभ द्वारा पूर्वरूपित किया गया था, और वह आरंभ पहले और दूसरे स्वर्गदूतों का मिलराइट आंदोलन था। मिलराइट आंदोलन 1798 में अंत के समय में आरंभ हुआ, वहीं से दानिय्येल अध्याय ग्यारह के अंतिम छह पद आरंभ होते हैं, और यह आंदोलन 22 अक्टूबर, 1844 को न्याय के उद्घाटन पर समाप्त हुआ। एक लाख चवालीस हजार का आंदोलन संयुक्त राज्य अमेरिका में रविवार कानून के लागू होने पर समाप्त होता है।

1989 में समाप्ति के समय आरंभ हुए आंदोलन की शुरुआत में, यहूदा के गोत्र के सिंह ने दानिय्येल अध्याय 11 के अंतिम छह पदों की मुहर खोल दी; और आंदोलन के अंत में, रविवार के कानून से ठीक पहले, वह दानिय्येल अध्याय 11 के पद 40 के छिपे हुए इतिहास की मुहर खोलता है। दानिय्येल का कौन-सा भाग खोला गया है, इस विषय पर सिस्टर व्हाइट की टिप्पणी 1989 में हुई मुहर-खोलने की घटना को भी संबोधित करती है, और जुलाई 2023 में आरंभ हुई मुहर-खोलने की घटना को भी।

जो पुस्तक मुहरबंद की गई थी, वह प्रकाशितवाक्य की पुस्तक नहीं थी, बल्कि दानिय्येल की भविष्यद्वक्ता का वह भाग था जो अंतिम दिनों से संबंधित था। शास्त्र कहता है, 'परन्तु तू, हे दानिय्येल, इन वचनों को बन्द कर दे और इस पुस्तक पर अन्तकाल तक मुहर लगा दे; बहुत लोग इधर-उधर दौड़ेंगे, और ज्ञान बढ़ेगा' (दानिय्येल 12:4)। जब पुस्तक खोली गई, तो यह घोषणा की गई, 'अब समय और न रहेगा।' (देखें प्रकाशितवाक्य 10:6.) दानिय्येल की पुस्तक पर से अब मुहर हटा दी गई है, और मसीह ने जो प्रकाशितवाक्य यूहन्ना को दिया था, वह पृथ्वी के सभी निवासियों तक पहुँचना है। ज्ञान की बढ़ती के द्वारा एक प्रजा को अंतिम दिनों में दृढ़ खड़े होने के लिए तैयार किया जाना है। ...

पहले स्वर्गदूत के संदेश में मनुष्यों को हमारे सृष्टिकर्ता परमेश्वर की आराधना करने के लिए बुलाया जाता है, जिसने संसार और उसमें जो कुछ है, सब बनाया। उन्होंने पोपतंत्र की एक संस्था का सम्मान किया है और इस प्रकार यहोवा की व्यवस्था को निष्प्रभावी कर दिया है; परन्तु इस विषय पर ज्ञान में वृद्धि होने वाली है।

Selected Messages, पुस्तक 2, 105, 106.

दानिय्येल की पुस्तक का वह हिस्सा जो 1989 के अंतिम दिनों से संबंधित था, ग्यारहवें अध्याय के अंतिम छह पद थे, और जब एक लाख चवालीस हज़ार का आन्दोलन अपने अंत तक पहुँचता है, तो दानिय्येल की पुस्तक का वह हिस्सा जिसकी मुहर खोली जाती है, पद चालीस का गुप्त इतिहास है, जो 1989 से लेकर संयुक्त राज्य अमेरिका में रविवार के क़ानून तक के इतिहास का प्रतिनिधित्व करता है। पद चालीस का गुप्त इतिहास एक लाख चवालीस हज़ार का इतिहास है। हर नबी उस अवधि की गवाही देता है।

इस पाठांश में, ज्ञान में वह वृद्धि—जो "लोगों को अंतिम दिनों में खड़े रहने के लिए तैयार करने" के लिए है—1989 में अंतिम छह पदों के उन्मोचन का प्रतिनिधित्व करती है, और यह फिर से पद चालीस के छिपे हुए इतिहास के उन्मोचन का भी प्रतिनिधित्व करती है। दोनों इतिहासों में प्रेरणा यह स्पष्ट करती है कि पोप सत्ता और रविवार के क़ानून के विषय में ज्ञान में वृद्धि होनी है। एक लाख चवालीस हज़ार के आंदोलन की शुरुआत और समाप्ति दोनों में, ज्ञान में वृद्धि एक तीन-चरणीय परीक्षण प्रक्रिया उत्पन्न करती है, जैसा कि दानिय्येल अध्याय बारह में दर्शाया गया है।

और उसने कहा, दानिय्येल, तू अपने मार्ग पर जा; क्योंकि ये बातें अंत के समय तक बंद और मुहरबंद कर दी गई हैं। बहुत से लोग शुद्ध किए जाएंगे, उजले किए जाएंगे, और परखे जाएंगे; परन्तु दुष्ट दुष्टता ही करेंगे; और दुष्टों में से कोई नहीं समझेंगे; परन्तु बुद्धिमान समझेंगे। दानिय्येल 12:9, 10.

जैसा कि सभी पवित्र सुधार आंदोलनों में होता है, दानिय्येल द्वारा "शुद्ध किए गए, श्वेत बनाए गए, और परखे गए" के रूप में दर्शाए गए तीन चरण, पहले एक दिव्य प्रतीक के अवतरण का मार्गचिह्न दर्शाते हैं; फिर एक असफल भविष्यवाणी की परख; और उसके बाद तीसरी कसौटी, जो उन दो वर्गों के चरित्र को प्रकट करती है जो ज्ञान की मुहर खुलने से हुई वृद्धि को स्वीकार करने या अस्वीकार करने के आधार पर विकसित होते हैं। एक लाख चवालीस हज़ार के आंदोलन की शुरुआत के साथ, तीन चरण थे: 11 सितंबर, 2001; उसके बाद 18 जुलाई, 2020; और फिर रविवार का कानून। उसी आंदोलन के अंत में तीन चरण हैं: जुलाई 2023, आधी रात की पुकार के संदेश का आगमन, और रविवार का कानून।

परमेश्वर की प्रजा को खड़ा होने के लिए तैयार करने वाला वह संदेश, जिसकी मुहर जुलाई 2023 में खोली गई, भविष्यसूचक सत्य के कई पहलू समाहित करता है, और उन्हीं में यहजेकेल की पुस्तक के सैंतीसवें अध्याय में वर्णित मरी हुई सूखी हड्डियाँ भी शामिल हैं। यहजेकेल दो संदेश प्रस्तुत करता है। पहला संदेश हड्डियों को फिर से एक साथ इकट्ठा करता है, परन्तु दूसरे संदेश के बाद ही इस्राएल एक पराक्रमी सेना के रूप में अपने पैरों पर खड़ा हुआ। प्रकाशितवाक्य के ग्यारहवें अध्याय के दो गवाह तब उठ खड़े हुए जब वे पवित्र आत्मा से परिपूर्ण हुए।

और साढ़े तीन दिन के बाद परमेश्वर की ओर से जीवन की आत्मा उनमें प्रवेश कर गई, और वे अपने पैरों पर खड़े हो गए; और उन्हें देखने वालों पर बड़ा भय छा गया। प्रकाशितवाक्य 11:11.

यहजेकेल वही सत्य सिखाता है।

और उसने मुझ से कहा, 'हे मनुष्य के पुत्र, अपने पैरों पर खड़ा हो, और मैं तुझ से बात करूँगा।' और जब उसने मुझ से कहा, तब आत्मा मुझ में प्रवेश कर गई और उसने मुझे मेरे पैरों पर खड़ा कर दिया, तब मैंने उसकी बात सुनी जो मुझ से बोल रहा था। यहजेकेल 2:1, 2.

जब बहन व्हाइट कहती हैं, "ज्ञान की वृद्धि के द्वारा एक प्रजा को अंतिम दिनों में खड़े होने के लिए तैयार किया जाना है।" ज्ञान की वृद्धि को दस कुँवारियों के दृष्टान्त में "तेल" के रूप में पहचाना गया है, और यह "तेल" "परमेश्वर की आत्मा के संदेशों" का, साथ ही "पवित्र आत्मा" तथा "चरित्र" का प्रतीक है।

जुलाई 2023 से लेकर शीघ्र आने वाले रविवार के कानून तक, ज्ञान में वृद्धि होती है जो परमेश्वर की प्रजा को जीवन देती है, और वे उठ खड़े होते हैं। वे उठ खड़े होते हैं, यह दर्शाते हुए कि उनके पास उस समय उद्धाटित किए गए संदेश का "तेल" है। जब उनके पात्रों के भीतर पवित्र आत्मा होता है, तब वे उठ खड़े होते हैं, और वे तब उठ खड़े होते हैं जब

उनका चरित्र परमेश्वर की मुहर के लिए तैयार होता है।

जुलाई 2023 में शुरू हुआ पहला परीक्षण चरण, उसके बाद एक ऐसी अवधि आई जो उन उम्मीदवारों को तेल को स्वीकार या अस्वीकार करने की अनुमति देती है। जो स्वीकार करते हैं, उन्हें सील कर दिया जाता है और फिर शीघ्र आने वाले रविवार के कानून के समय उन्हें ध्वज की भाँति ऊँचा उठाया जाता है। जो तेल को अस्वीकार करते हैं, वे प्रबल भ्रम प्राप्त करते हैं।

वे उम्मीदवार जुलाई 2023 में आध्यात्मिक नींद से जगा दिए गए, और तब उनके व्यक्तिगत परीक्षाकाल के समाप्त होने से पहले उन्हें अंतिम परीक्षण प्रक्रिया का सामना करना पड़ा। यह परीक्षण प्रक्रिया एक भविष्यवाणी-सम्बंधित परीक्षा के संदर्भ में निर्धारित थी, जो पशु की प्रतिमा के गठन से जुड़ी थी, उसी समय जब वही उम्मीदवार फिर से जीवन पाकर अपने भीतर मसीह की प्रतिमा का निर्माण करने वाले थे। जिस भविष्यवाणी संरचना में यह परीक्षा पूरी होनी थी, वह 1989 से लेकर रविवार के कानून तक का इतिहास है। उन उम्मीदवारों का न जाग पाना इस बात का कारण बना कि प्रभु ने विधर्मों को प्रवेश करने की अनुमति दी।

परमेश्वर अपने लोगों को जगा देंगे; यदि अन्य उपाय असफल हों, तो विधर्मों शिक्षाएँ उनके बीच प्रवेश करेंगी, जो उन्हें छानकर भूसा को गेहूँ से अलग कर देंगी। प्रभु अपने वचन पर विश्वास करने वाले सबको नींद से जागने के लिए बुलाते हैं। अनमोल ज्योति आ चुकी है, जो इस समय के लिए उपयुक्त है। यह बाइबल का सत्य है, जो उन खतरों को दिखाता है जो ठीक हम पर आ पड़े हैं। यह प्रकाश हमें पवित्र शास्त्र के लगनपूर्वक अध्ययन और उन मतों की कठोरतम समीक्षा की ओर ले जाना चाहिए जिन्हें हम मानते हैं। परमेश्वर चाहते हैं कि सत्य के सभी पहलू और स्थापनाएँ प्रार्थना और उपवास के साथ पूरी तरह और दृढ़तापूर्वक खोजी जाएँ। टेस्टिमोनीज़, खंड 5, 708.

सभी भविष्यद्वक्ता अंतिम दिनों को संबोधित करते हैं, इसलिए इन अंतिम दिनों में, जुलाई 2023 में, प्रभु ने अपने लोगों को "जागने" का प्रयास किया, परंतु उनके प्रयास असफल रहे, और उन्होंने अंत की निकटता की चेतावनी के रूप में एडवेंट इतिहास में रोम के एक प्रतीक को लेकर हुए पहले विवाद को फिर से होने दिया। उन्होंने ऐसा तब भी किया, जबकि "अनमोल प्रकाश" "आ चुका था, जो इस समय के लिए उपयुक्त था।" जुलाई 2023 में जो प्रकाश आया, वह "बाइबल का सत्य है, जो उन खतरों को दिखाता है जो ठीक हम पर आ पड़े हैं।" उस प्रकाश को हमें "धर्मग्रंथों का परिश्रमी अध्ययन करने और हमारे द्वारा धारण किए गए मतों का अत्यंत आलोचनात्मक परीक्षण करने" की ओर ले जाना चाहिए था।

पद चालीस का छिपा हुआ इतिहास दानियेल अध्याय 11 के पद 10 से 15 में प्रस्तुत है, क्योंकि अल्फा और ओमेगा ने दानियेल की अंतिम भविष्यवाणी के अंत को उसके आरंभ के साथ दर्शाया। 18 जुलाई, 2020 की निराशा तक पहुँचने वाले समय में, शैतान ने पद 10 से 15 के बारे में भ्रम उत्पन्न कर दिया था, क्योंकि वह जानता था कि अध्याय की शुरुआत ही अध्याय के अंत का प्रतिनिधित्व करने की कुंजी है। फिर पद 14 का मूल विवाद प्रस्तुत किया गया।

महाधोखेबाज़ को इससे बढ़कर किसी बात का भय नहीं है कि हम उसकी चालों से परिचित हो जाएँ। महान विवाद, 516.

उन पदों के अर्थ और उद्देश्य को भ्रमित करने के शैतानी प्रयासों से यह स्पष्ट है कि वे अब एक लाख चवालीस हजार में शामिल होने के उम्मीदवारों को छानने वाली परीक्षण प्रक्रिया का एक महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। सिस्टर व्हाइट जोर देती हैं कि दानियेल ग्यारह में प्रस्तुत वह इतिहास, जो 1798 में अंत के समय से पहले पूरा हो चुका था, अंतिम छह पदों में दोहराया गया है।

"हमारे पास गँवाने के लिए समय नहीं है। हमारे सामने संकट का समय है। संसार युद्ध की भावना से उद्वेलित है। शीघ्र ही भविष्यवाणियों में बताए गए संकट घटित होंगे। डैनियल के ग्यारहवें अध्याय की भविष्यवाणी लगभग अपनी पूर्ण पूर्ति तक पहुँच चुकी है। इस भविष्यवाणी की पूर्ति में जो इतिहास घटित हो चुका है, उसका बहुत सा

भाग फिर से दोहराया जाएगा।" Manuscript Releases, संख्या 13, 394.

मैं यह तर्क करता हूँ कि पद एक से उनतालीस तक प्रस्तुत किया गया सारा इतिहास अध्याय के अंतिम छह पदों में दोहराया गया है। मैं यह भी तर्क करता हूँ कि अंतिम दिनों का इतिहास, जो 22 अक्टूबर, 1844 को आरंभ हुए न्याय के निष्कर्ष का इतिहास है, दो मुख्य भविष्यवाणी कालखंडों द्वारा दर्शाया गया है। पहला कालखंड परमेश्वर के घर पर संपन्न होने वाले न्याय का प्रतिनिधित्व करता है; इसके बाद वह काल आता है जब परमेश्वर के घर के बाहर वालों के लिए न्याय संपन्न किया जाता है। पहला कालखंड 1989 में आरंभ हुआ और संयुक्त राज्य अमेरिका में रविवार के कानून पर समाप्त होता है; और वही दूसरे कालखंड की शुरुआत को चिह्नित करता है, जो तब समाप्त होता है जब मीकाएल खड़ा होता है और मनुष्यों के लिए मोहलत समाप्त हो जाती है। चालीसवें पद का छिपा हुआ इतिहास भी 1989 में शुरू होता है और इकतालीसवें पद पर समाप्त होता है, जो संयुक्त राज्य अमेरिका में रविवार का कानून है।

वह उसी अध्याय के दसवें से पंद्रहवें पद तक वर्णित इतिहास के समान है। वह इतिहास 1798 में अंत के समय से लेकर 22 अक्टूबर, 1844 को न्याय के आरंभ होने तक मिलराइटों के इतिहास के समानांतर चलता है। वे दोनों इतिहास उस भविष्यसूचक इतिहास के समानांतर चलते हैं जो मसीह के जन्म से आरंभ हुआ और क्रूस पर समाप्त हुआ।

1989 से आरंभ होने वाला इतिहास, 11 सितंबर 2001 को आरंभ हुए परीक्षा-काल को सम्मिलित करता है, जिसे 11 अगस्त 1840 को आरंभ हुए परीक्षा-काल और मसीह के बपतिस्मे पर आरंभ हुए परीक्षा-काल द्वारा प्रतीकित किया गया है। पशु की प्रतिमा का निर्माण भविष्यसूचक इतिहास की कई रेखाओं द्वारा प्रतीकित किया गया है। उसी समय-काल के उन निरूपणों में से एक, एक लाख चवालीस हजार की मुहरबंदी का समय है, जो 11 सितंबर 2001 को आरंभ हुआ और शीघ्र आने वाले रविवार के कानून पर समाप्त होता है। पद चालीस का छिपा हुआ इतिहास 22 अक्टूबर 1844 से 1863 के विद्रोह तक की रेखा के साथ भी जोड़ा जा सकता है।

22 अक्टूबर, 1844 को तीसरे स्वर्गदूत का आगमन हुआ। जैसे किसी भी भविष्यसूचक स्वर्गदूत के आगमन के साथ होता है, उसके पास एक संदेश था जिसे खाया जाना था, पर ऐसा होना नहीं था; और फिलाडेल्फियाई मिलरवाद 1863 से पहले लाओदिकियाई मिलरवाद में बदल गया, जब उन्होंने औपचारिक रूप से 'सेवेंथ-डे एडवेंटिस्ट' नाम अपना लिया और तब से आज तक विद्रोह की मरुभूमि में भटकने लगे। 1844 से 1863 का इतिहास उन लोगों का प्रतिनिधित्व करता है जो एक लाख चवालीस हजार में शामिल होने के बुलावे को अस्वीकार करते हैं। वे दानियेल अध्याय बारह के 'दुष्ट', यिर्मयाह की 'ठंडा करने वालों की सभा', यूहन्ना की 'शैतान की सभा' और मत्ती की 'मूर्ख कुँवारियाँ' हैं।

जिसे मसीह ने 'भविष्यद्वक्ता दानियेल द्वारा कही गई उजाड़ने वाली घृणित वस्तु' कहा है, वह आगे आने वाले विनाश और तितर-बितर होने से पहले भाग निकलने की चेतावनी का संकेत है। ईस्वी सन् 66 में रोमी सेनापति सेस्टियस ने मूर्तिपूजक रोम के युग के मसीहियों के लिए उस चेतावनी की पूर्ति कर दी। प्रथम शताब्दी में प्रेरित पौलुस ने वही चेतावनी उन मसीहियों के लिए दर्ज की, जो पापाई रोम के युग में कष्ट सहेंगे। सब्त का पालन करने वालों को शहरों से निकलकर ग्रामीण क्षेत्रों में रहने की चेतावनी 1888 में आई, उसी वर्ष जब ब्लेयर विधेयक आया, जो रविवार को राष्ट्रीय विश्राम-दिवस के रूप में स्थापित करने का पहला प्रयास था। ब्लेयर विधेयक मसीह के दानियेल की 'उजाड़ने वाली घृणित वस्तु' के संदर्भ की पूर्ति में, भाग निकलने की चेतावनी था।

जैसा कि ईस्वी सन् 66 में सेस्टियस के साथ हुआ था, वैसे ही ब्लेयर विधेयक दैवी व्यवस्था से वापस ले लिया गया। 1888, 11 सितंबर 2001 का प्रतीक है, क्योंकि सिस्टर वाइट दोनों ही इतिहासों में प्रकाशित वाक्य अध्याय अठारह के स्वर्गदूत के अवतरण को चिह्नित करती हैं। अंतिम दिनों में नगरों से भाग निकलने की चेतावनी 11 सितंबर 2001 को प्रभावी हो गई। अतः 1888 का ब्लेयर विधेयक 2001 के पैट्रियट एक्ट का प्रतीक था। 11 सितंबर 2001 को जो स्वर्गदूत उतरा, वह प्रकाशित वाक्य अध्याय अठारह की पहली तीन आयतों में अंतिम चेतावनी संदेश की घोषणा करता है, और यह अंतिम चेतावनी संदेश तीसरे स्वर्गदूत का संदेश भी है, यद्यपि अध्याय चौदह में तीसरे स्वर्गदूत द्वारा

निरूपित संदेश की सत्य-अभिव्यक्तियाँ, अध्याय अठारह वाली के समान नहीं हैं। पंक्ति दर पंक्ति, वे वही चेतावनी संदेश हैं।

उजाड़नेवाली घृणित वस्तु, जिसके विषय में भविष्यद्वक्ता दानियेल ने कहा था, मसीह द्वारा दिया गया वह चिन्ह था जो यह बताता था कि उसके लोगों को अपनी सुरक्षा के लिए कब भागना चाहिए। यह एक चेतावनी संदेश है, और इसलिए यह अंतिम चेतावनी संदेश होना चाहिए, यद्यपि इसे प्रकाशितवाक्य के अध्याय चौदह तथा अध्याय अठारह में प्रस्तुत संदेश से भिन्न शब्दों में व्यक्त किया गया है। यिर्मयाह अध्याय पंद्रह के पद सोलह से जो इतिहास आरंभ होता है, वह उसी चेतावनी-परख के संदेश की भविष्यसूचक अवधि है। यह तब शुरू होती है जब यिर्मयाह परमेश्वर का वचन खाता है, और यह तब घटित होती है जब स्वर्गदूत उतरता है, जैसे वह तब उतरा था जब न्यूयॉर्क शहर की विशाल इमारतें ढह गईं।

जब Jeremiah घोषणा करता है, "तेरे वचन मिले, और मैंने उन्हें खा लिया; और तेरा वचन मेरे लिए मेरे हृदय का हर्ष और आनन्द बन गया," तो यह Daniel के अध्याय एक में आहार के संबंध में पहले परीक्षण का, और Revelation के अध्याय दस में John द्वारा स्वर्गदूत के हाथ से पुस्तक लेकर उसे खाने का प्रतिनिधित्व करता है। संदेश को खाने की प्रक्रिया तब शुरू होती है जब एक स्वर्गदूत आता है, और जब स्वर्गदूत आता है तो एक परीक्षण की भविष्यवाणी की मुहर खोली जाती है। जब स्वर्गदूत आता है तो पहला परीक्षण काल शुरू होता है और यह तब समाप्त होता है जब दूसरा परीक्षण काल शुरू होता है, और जब Michael खड़ा होता है, तब दूसरा परीक्षण काल समाप्त होता है।

जब स्वर्गदूत आ जाता है, तब अंतिम वर्षा शुरू हो जाती है।

"अंतिम वर्षा परमेश्वर की प्रजा पर बरसने वाली है। एक शक्तिशाली स्वर्गदूत स्वर्ग से उतरने वाला है, और पूरी पृथ्वी उसकी महिमा से आलोकित हो जाएगी।" Review and Herald, April 21, 1891.

पिछली वर्षा उन लोगों को मिलती है जो यिर्मयाह के पुराने मार्गों पर चलते हैं।

प्रभु यों कहता है: मार्गों पर खड़े हो, और देखो, और पुराने पथों के विषय में पूछो कि अच्छा मार्ग कहाँ है; और उसी पर चलो, तब तुम्हें अपने प्राणों के लिए विश्राम मिलेगा। पर उन्होंने कहा, हम उस पर नहीं चलेंगे। और मैंने तुम्हारे ऊपर पहरेदार भी ठहराए, यह कहकर कि तुरही की ध्वनि सुनो। पर उन्होंने कहा, हम नहीं सुनेंगे। यिर्मयाह 6:16, 17.

"पहरेदार" जिस "तुरही" को फूँकते हैं, वह लाओदीकियाई संदेश है, जिसे Jones और Waggoner ने 1888 में प्रस्तुत किया था।

ऊँचे स्वर से पुकार, मत रोक, तुरही की तरह अपनी आवाज़ ऊँची कर, मेरे लोगों को उनके अपराध बता, और याकूब के घराने को उनके पाप। यशायाह 58:1.

11 सितंबर 2001 को एक लाख चवालीस हजार पर मुहर लगाने का कार्य शुरू हुआ। लाओदिकिया के लिए एक चेतावनी संदेश घोषित किया गया।

"A. T. Jones और E. J. Waggoner द्वारा हमें दिया गया संदेश लाओदीकिया की कलीसिया के लिए परमेश्वर का संदेश है, और हाथ हर उस व्यक्ति पर जो सत्य को मानने का दावा करता है, फिर भी दूसरों की ओर परमेश्वर-प्रदत्त किरणों का परावर्तन नहीं करता।" The 1888 Materials, 1053.

लाओदिकिया के लिए दी गई चेतावनी यिर्मयाह के पहरेदारों की तुरही की ध्वनि है, जिसे लाओदिकियाई सातवें दिन की एडवेंटिस्ट कलीसिया सुनने से इंकार करती है। यह चेतावनी शीघ्र आने वाले रविवार के कानून से पहले शहरों से निकलकर ग्रामीण संपत्ति की ओर जाने की है।

इन विभिन्न भविष्यद्वाणी-संबंधी धाराओं के बारे में मैंने अभी जो कहा, वह आपके विवेक को उभारने और आपको यह प्रोत्साहित करने का एक प्रयास था कि आप जो मैं लिखने जा रहा हूँ, उसे वास्तव में परखें। शायद पशु के लिए तथा पशु की प्रतिमा का सबसे महत्वपूर्ण गुण यह है कि आखिरी दिनों में पशु के लिए और पशु की प्रतिमा के दो गठन होंगे। पहला, संयुक्त राज्य अमेरिका में, और उसके बाद विश्व के राष्ट्रों में।

‘पशु के लिए बनी प्रतिमा’ और ‘पशु की प्रतिमा’ से संबंधित कुछ भविष्यसूचक विशेषताएँ हैं, जिन्हें सही ढंग से लागू करना आवश्यक है, यदि हमें रोम की इस प्रतिमा की भविष्यसूचक परीक्षा-प्रक्रिया से होकर निकलना है। पशु की प्रतिमा की परीक्षा-अवधि का दूसरा महत्वपूर्ण तत्व (जिसे कई साक्ष्यों के आधार पर दिखाया जा सकता है) यह है कि एक लाख चवालीस हजार पर मुहर लगाने का समय संयुक्त राज्य अमेरिका में पशु की प्रतिमा की परीक्षा की अवधि में ही आता है; और यह कि विश्व के राष्ट्रों में पशु की प्रतिमा की परीक्षा की अवधि वही समय है जब परमेश्वर की वे अन्य संतानें, जो उस रविवार के कानून के समय तक अभी भी बाबुल में हैं (जिसका प्रतिनिधित्व 321 करता है), झुंड में एकत्र की जाती हैं।

पशु की प्रतिमा दो विशिष्ट, परस्पर जुड़े हुए परीक्षात्मक कालों का प्रतिनिधित्व करती है, और ये दोनों परीक्षात्मक काल प्रकाशितवाक्य अध्याय सात के एक लाख चवालीस हजार के अंतिम एकत्रीकरण का भी प्रतिनिधित्व करते हैं, जिसके बाद उसी अध्याय में वर्णित महान भीड़ आती है।

रविवार के कानून के समय, संयुक्त राज्य अमेरिका प्रकाशितवाक्य के तेरहवें अध्याय की ग्यारहवीं आयत में अजगर के समान बोलता है। फिर वह संसार के सब राष्ट्रों को धोखा देने के लिए निकलता है, और उनसे कहता है कि वे भी उस पशु की एक विश्वव्यापी प्रतिमा बनाएँ, जैसा संयुक्त राज्य अमेरिका ने किया। जो काल रविवार के कानून से आरम्भ होता है—जिसका प्रतिनिधित्व 321 में कॉन्स्टैन्टाइन के रविवार के कानून से होता है—वह तब समाप्त होता है जब अंतिम राष्ट्र पोपीय रोम के आगे झुक जाता है, जहाँ 538 के रविवार के कानून का प्रतिनिधित्व होता है; क्योंकि तेरहवें अध्याय में संयुक्त राज्य अमेरिका के पास उस पशु की प्रतिमा में प्राण डालने और उसे बोलने की सामर्थ्य है। यह काल 321 के रविवार के कानून से आरम्भ होता है और 538 के रविवार के कानून पर समाप्त होता है।

2001 में संयुक्त राज्य अमेरिका की सरकार ने पैट्रियट एक्ट को "बोलकर" कानून बना दिया।

हम इस अध्ययन को अगले लेख में जारी रखेंगे।